


Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

Scheme of Examination for the 1st Semester

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title /Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT -DSC-101	DSC	नीतिसाहित्य एवं संस्कृत व्याकरण I	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT -DSC-102	DSC	संस्कृत महाकाव्य	3	0	1	4	30	70	100
3	B-SKT-MIC1-103	MIC	प्रयोगात्मक-संस्कृत	3	0	1	4	30	70	100
4	B-SKT-AEC1-103	AEC	संस्कृत भाषा एवं भारतीय संस्कृति बोध-1	2	0	0	2	15	35	50
5.	B-SKT-MDC1-104	MDC	वेद,यज्ञ प्रक्रिया एवं गीता	2	0	1	3	25	50	75
6.	B-SEC-101	SEC		2	0	1	3	25	50	75
7.	B-VAC-101	VAC		2	0	0	2	15	35	50
				17	0	05	22			550

*The students of Sanskrit (Hons) will choose SEC, VAC from the Common Pool of Courses offered by other University.





Chairperson
Date

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

Scheme of Examination for the 2nd Semester

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title/Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT -DSC-201	DSC	श्रीमद्भगवद्गीता, प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत व्याकरण I	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT -DSC-202	DSC	महाकाव्य एवं युवतककाव्य	3	0	1	4	30	70	100
3	B-SKT -MIC2-203	MIC	व्यावहारिक-संस्कृत	3	0	1	4	30	70	100
4	B-SKT -AEC2-203	AEC	संस्कृत भाषा एवं भारतीय संस्कृति बोध-2	2	0	0	2	15	35	50
5	B-SKT -MDC2-204	MDC	योग एवं भारतीय संस्कृति	2	0	1	3	25	50	75
6	B-SEC-201	SEC		2	0	1	3	25	50	75
7	B-VAC-201	VAC		2			2	15	35	50
				17	0	05	22			550

*The students of Sanskrit (Hons) will choose SEC and VAC from the Common Pool of Courses offered by other University.

Olsh

Shrividya

[Signature]

CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

Scheme of Examination for the 3rd Semester:

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title/Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT-DSC-301	DSC	ऐतिहासिक महाकाव्य, प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT-DSC-302	DSC	साहित्यदर्पण	3	0	1	4	30	70	100
3	B-SKT-MIC3-303	MIC	उपजीव्य महाकाव्य एवं उनके प्रमुख पात्र	3	0	1	4	30	70	100
4	B-AEC3-303 SKT	AEC	भारतीय संस्कृति, धर्म एवं दर्शन	2	0	0	2	15	35	50
5	B-SKT-MDC3-304	MDC	संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद	2	0	1	3	25	50	75
6.	B-SEC-301	SEC		2	0	1	3	25	50	75
7.	B-VAC-301	VAC		2			2	15	35	50
				17	0	05	22			550

*The students of Sanskrit (Hons) will choose SEC and VAC from the Common Pool of Courses offered by other University.




CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

Scheme of Examination for the 4th Semester:

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title/Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT - DSC-401	DSC	महाकाव्य वेदांग व्याकरण एवं शब्द प्रक्रिया	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT -DSC- 402	DSC	नटक (स्वप्नवासवदत्तम्) एवं अलंकार	3	0	1	4	30	70	100
3	B-SKT- DSC-403	DSC	काव्यदीपिका एवं वृत्तप्रत्याकार	3	0	1	4	30	70	100
4	B-SKT-DSC- 404	DSC	लघुसिद्धान्त कौमुदी	3	0	1	4	30	70	100
5	B-SKT-MIC4(Voc) 405	MIC (Voc)	कथा साहित्य का इतिहास एवं महत्त्व पंचतंत्र (अपरोक्षित करके)	3	0	1	4	30	70	100
6	B-AEC4-404	AEC		2	0	0	2	15	35	50
7	B-VAC4-404	VAC		2	0	0	2	15	35	50
				16	00	04	24			600

*The students of Sanskrit (Hons) will choose AEC and VAC from the Common Pool of Courses offered by other University

[Signature]

[Signature]

[Signature]

CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

Scheme of Examination for the 5th Semester

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title/Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT-DSC-501	DSC	संस्कृत नाट्य साहित्य एवं व्याकरण (विभाजित)	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT-DSC-502	DSC	गीता एवं मनुस्मृति	3	0	1	4	30	70	100
3	B-SKT-DSC-503	DSC	वैदिक साहित्य	3	0	1	4	30	70	100
4	B-SKT-DSC-504	DSC	दशकुमारचरित एवं शिवराजविजय	3	0	1	4	30	70	100
5	B-SKT-MIC5(Voc)-505	MIC(Voc)	महाकाव्य (भगवद्गीता एवं बुद्धचरित)	3	0	1	4	30	70	100
6			Internship				4			100
				12	00	04	24			600

Handwritten signature

Handwritten signature

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

6

Scheme of Examination for the 6th Semester

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title/Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT-DSC-601	DSC	उपनिषद् साहित्य एवं व्याकरण (विभाजित)	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT-DSC-602	DSC	तर्कशास्त्र	3	0	1	4	30	70	100
3	B-SKT-DSC-603	DSC	महाकाव्यकार, गद्यकार, नाट्यकार	3	0	1	4	30	70	100
4	B-SKT-DSC-604	DSC	दशकण्ठक	3	0	1	4	30	70	100
5	B-SKT-MIC5(Voc) 605	MIC Vdc)	बौद्ध जैन एवं जालोक दर्शन		0		4	30	70	100
6	B-SEC-603	SEC		1		1	2	15	35	50
				13	00	05	22			550

*The students of Sanskrit (Hons) will choose SEC from the Common Pool of Courses offered by other University.







52-1

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

7

Scheme of Examination for the 7th Semester:

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title/Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT-DSC-H1-701	DSC	वेद एवं वेदांग	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT-DSC-H2-702	DSC	पद्य साहित्य	3	0	1	4	30	70	100
3	B-SKT-DSC-H3-703	DSC	भाषा विज्ञान एवं व्याकरण	3	0	1	4	30	70	100
4	B-SKT-DSC-H4-704	DSC	आधुनिक संस्कृत साहित्य-1 (कथा)	3	0	1	4	30	70	100
5	B-SKT-DSC-H5-705	DSC	संस्कृति एवं धर्मदर्शन	3	0	1	4	30	70	100
6	B-SKT-MIC7-706	MIC	भारतीय नीतिशास्त्र	3	0	1	4	30	70	100
				18	00	06	24			600

(Signature)

(Signature)

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

8

Scheme of Examination for the 8th Semester

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title/Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT-DSC-H6-801	DSC	नाट्य साहित्य	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT-DSC-H7 802	DSC	काव्य प्रकाश एवं साहित्य दर्पण	3	0	1	4	30	70	100
3	B-SKT-DSC-H8-803	DSC	भारतीय दर्शन	3	0	1	4	30	70	100
4	B-SKT-DSC-H9-804	DSC	आधुनिक संस्कृत साहित्य-2 (नाटक)	3	0	1	4	30	70	100
5	B-SKT-DSC-H10-805	DSC	संस्कृत साहित्य में योग आयुर्वेद एवं विज्ञान	3	0	1	4	30	70	100
6	B-SKT-MIC8-806	MIC	संगुलित जीवन तथा भोडरा संस्कार	3	0	1	4	30	70	100
				18	00	06	24			600

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

5/5/24

CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (HONS.) IN SANSKRIT

Scheme of Examination for the 8th Semester (Hons. With Research)

Sr. No.	Course Code	Course Type	Course Title/Nomenclature of Paper	Workload			Credits	Division of Marks		
				L	P	T		Internal	External	Total
1	B-SKT-DSC-H6-801	DSC OPTION-I	नाट्य साहित्य	3	0	1	4	30	70	100
2	B-SKT-DSC-H7-802	DSC OPTION-III	काव्य प्रकाश एवं साहित्य दर्पण	3	0	1	4	30	70	100
3.	B-SKT-MIC-803	MIC	संज्ञित जीवन तथा षोडश संस्कार	3	0	1	4	30	70	100
4.	Project/ Disertaton B-SKT-RP-808	Research Project					12			300
							24			600




1

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit
CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Semester- 1

Course Nomenclature: नीति साहित्य एवं संस्कृत व्याकरण

Course Code : B-SKT-DSC-101

Total Credits : 4

External Theory Marks:70

L-T-P

Internal Theory Marks:30

3-1-0

Time Allowed: 3 Hours

Course Outcomes:

छात्र हितोपदेश, पंचतन्त्र, गीता, महाभारत आदि में निहित उपदेशात्मक पद्यों और शिक्षाप्रद कहानियों से छात्रों के नैतिक मूल्यों का विकास करना। छात्राएँ संस्कृत व्याकरण में सर्वनाम शब्द रूपों का तीनों लिंगों के प्रयोग सीखेंगी तथा संस्कृत-अनुवाद हेतु विभक्तियों और धातुओं का यथार्थ प्रयोग सीखेंगी।

Unit -I

1. हितोपदेश(1) प्रस्तावना एवं मित्रलाभ की कथासंख्या 1-4 तक 14अंक
प्रस्तावना के प्रथम श्लोक (सिद्धिःसाध्ये.....से 45वें श्लोक 'समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः'तक)में से सूचित/श्लोक की सप्रसंग व्याख्या।

Unit -II

2. हितोपदेश(2) प्रस्तावना एवं मित्रलाभ की कथासंख्या 1-4 तक 14अंक
कथासार/रचनाकार/पाठ्य सामग्री पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

Unit -III

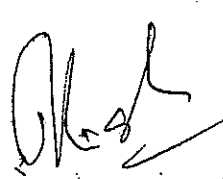

3. (क)शब्द रूपः-राम,कवि,भानु,लता,नदी,फल। 14अंक
(ख)धातुरूपः भू,हस्,नम्,यम् (लट्,लृट्,लोट्, लङ्, एवं विधिलिंग पाँच लकारों में)

Unit -IV

4. (क)स्वर संधि (दीर्घ,गुण,वृद्धि,यण,अयादि) 14अंक
केवल संधि/विच्छेद पूछा जाएगा।
(ख) कण्ठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन।

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. हितोपदेश- कृष्णानन्द शास्त्री, भारतीय संस्कृत भवन,जालन्धर -2007।
2. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका- चौखम्भा संस्कृत सीरीज,वाराणसी।
3. रूपचंद्रिका-पै० रामचन्द्र झा, चौखम्भा संस्कृत सीरीज,वाराणसी।
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास- आचार्य बलदेव उपाध्याय,शारदा निकेतन,वाराणसी।
5. बृहत् अनुवाद चन्द्रिका:-लेखक चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री मोतीलाल बनारसी दास वाराणसी।



Chairperson
Date 14/4/25

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan

Department of Sanskrit

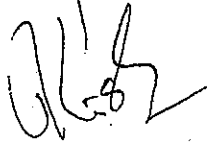
CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

2

6. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका-बाबू राम सक्सेना, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी ।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न पत्र में कुल 5 प्रश्न दिए जाएंगे। प्रश्न पत्र के लिए कुल 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न (14/चौदह) अंको का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाये जाएंगे। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघूत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न 3.5 अंको का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाएगा। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाए तथा प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।



Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit

3

CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Semester- 1

Course Nomenclature: संस्कृत-महाकाव्यम्

Course Code: B-SKT – DSC- 102

Total Credits : 4

External Theory Marks:70

L-T-P

Internal Theory Marks:30

3-1-0

Time Allowed: 3 Hours

Course Outcomes: छात्र इस घटक में पुरुषोत्तम श्री राम की वंश-परम्परा एवं उनके पावन चरित्र से से अवगत होकर चरित्र निर्माण की दिश में अग्रसर होंगे तथा उन्हें करुणा मूर्ति बुद्ध के चरित्र-व्यक्तित्व तथा उनकी शिक्षाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit-I

1. रघुवंशम् , प्रथमः सर्गः 14अंक
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या (10 अंक)
(ख) सूक्ति-व्याख्या। (4अंक)

Unit-II

2. (क) रघुवंशसम्बद्धं कविं रघुवंशं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 14अंक

Unit-III

3. बुद्धचरितम् , प्रथमः सर्गः 14अंक
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या (10 अंक)
(ख) सूक्ति-व्याख्या। (4अंक)

Unit-IV

4. बुद्धचरितसम्बद्धं कविं बुद्धचरितं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 14अंक

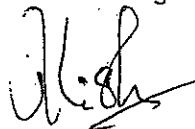
Recommended Books/e-resources/LMS:

1. बुद्धचरितम्- व्याख्याकार महंतरामचन्द्रदास शास्त्री चौखम्मा विद्याभवन, वाराणसी ।
2. रघुवंश महाकाव्य, व्याख्याकार हरगोविन्द शास्त्री चौखम्मा संस्कृत संस्थान , वाराणसी।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास- आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएंगे। प्रश्न पत्र के लिए कुल 70 अंक निर्धारित है। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न (14/चौदह) अंको का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाये जाएंगे। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघूत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न 3.5 अंको का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाए तथा प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।

w.e.f. Academic Session 2024-25





1448


Chairperson
Date

Semester- 1

Course Nomenclature: प्रयोगात्मक-संस्कृतम्

Course Code : B-SKT—MIC1-103

Total Credits : 4

L-T-P

3-1-0

External Theory Marks:70

Internal Theory Marks:30

Time Allowed: 3 Hours

Course Outcomes: पशु-पक्षियों पर आधारित छोटी छोटी कथाओं के माध्यम से इस छात्रों को भारतीय ज्ञान,सभ्यता एवं संस्कृति का बोध होगा तथा व्यावहारिक शब्दों, फलों/सब्जियों आदि के संस्कृत नाम ज्ञात होने से उनका शब्दकोश समृद्ध होगा। संस्कृत अनुवाद एवं विभक्तियों का प्रयोग सीखेंगे। गीता के श्लोकों का शुद्ध लेखन एवं पठन के साथ-साथ जीवन के वास्तविक रहस्य एवं मूल्यों को समझते हुए निष्काम कर्म करने की प्रेरणा के साथ कर्मोद्योगी बनेंगे।

Unit -I

1. संस्कृत चयनिका (पद्यभाग-पाठ1से 4 तक) 14अंक
व्याख्या/सारांश/वर्ण्य विषय पर आधारित प्रश्न।

Unit -II

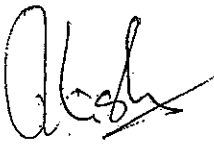
2. संस्कृत चयनिका (गद्यभाग-पाठ 1-4) 14अंक
व्याख्या/सारांश/वर्ण्य विषय पर आधारित प्रश्न।

Unit -III

3. संस्कृत व्याकरण: 14अंक
(क)अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)
(ख)कारक विभक्ति (लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)

Unit -IV

4. (क) फलों एवं सब्जियों के नाम संस्कृत में। 14अंक
फलों के नाम:- अंजीर, आम, अमरूद,ककड़ी, तरबूज, नारियल, जामुन, बेर, सेब, शहतूत,
खीरा,खरबूजा,अनार,संतरा, कटहल, लीची, सिंघाड़ा, गन्ना, अखरोट, आड़ू, छुहारा, चिरौंजी,
मखाना, आलुबुखारा,किशमिश, खजूर, गूलर, बादाम,फालसा,बेल, मुसम्मी, मकोय, करौंदा,नीबू, मुनक्का,
अंगूर।
सब्जियों के नाम:-अदरक, आलू, इमली,कटहल,कद्दू,करेला, कुंदरू,टिंडा, गोभी, टमाटर, तोरई, धनिया,
पालक, प्याज, बथुआ,मिर्च, भिंडी, पंवर, बैंगन, मटर, मूली,लहसुन, लौकी, शलगम, सलाद, साग, सेम।
(ख) गीता के कण्ठस्थ किन्हीं दो श्लोकों का शुद्ध लेखन।


-1449




Chairperson
Date

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit

5

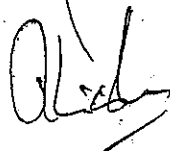
CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

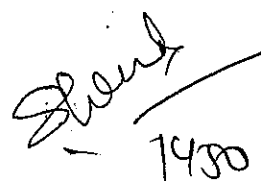
Recommended Books/e-resources/LMS:

1. संस्कृत चयनिका-परमानन्द शास्त्री
2. संस्कृत चयनिका प्रबोधिका-देवी चन्द्र शर्मा/डॉ० दिनेश कुमार सिंहल
3. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका-चक्रधर नौटियाल,मोतीलाल बनारसी-दास,दिल्ली 2003।
4. वैदिक प्रेरण फॉर नॉलेज,पीस एंड कोएक्जिस्टेंस - प्रो० बी. बी. चौबे।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएं। प्रश्न पत्र के लिए कुल 70 अंक निर्धारित है। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक यूनिट से प्रश्न चौदह (14) अंको का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघूत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढ़े तीन अंक (3.5) का होगा।
3. द्वितीय,तृतीय,चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय,चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाएगा। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाए तथा प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।
- 4.परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।




1480


Chairperson
Date

6

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit
CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Semester- 1

Course Nomenclature: संस्कृत भाषा एवं भारतीय संस्कृति बोध-1

Course Code : B-SKT—AEC1-103

Total Credits : 2

L-T-P

2-0-0

External Theory Marks:35

Internal Theory Marks:15

Time Allowed: 1.5 Hours

Course Outcomes: छात्रों को भारतीय ज्ञान-परम्परा,सभ्यता एवं संस्कृति का बोध होगा तथा विद्यालय संबन्धी व्यावहारिक शब्दों/पक्षियों/खद्यन्नों आदि के संस्कृत नाम का पता चलने से उनका शब्दकोश समृद्ध होगा। श्लोकों के शुद्ध लेखन एवं पठन के माध्यम से वे जीवन के आदर्शों/ मूल्यों को समझते हुए श्रेष्ठ कर्मों की ओर अग्रसर होंगे।

Unit -I

1. भारतीय संस्कृति का वृहत् इतिहास (भाग -1) लेखक -डॉ० एस. एल. नागोरी 7अंक
(पाठ-1, भारतीय संस्कृति का रूप)
सारांश/वर्ण्य विषय पर आधारित प्रश्न।

Unit -II

2. भारतीय संस्कृति का वृहत् इतिहास (भाग -1) लेखक -डॉ० एस. एल. नागोरी 7अंक
(पाठ-2, वर्णाश्रम व्यवस्था)
सारांश/वर्ण्य विषय पर आधारित प्रश्न

Unit -III

- 3.(क) संस्कृत में विद्यालय संबन्धी वस्तुओं के नाम। 7अंक
कलासरूम, मेज, कुर्सी, बेंच(पुस्तक रखने की), बेंच(बैठने की)
बैग, किताब, कलम, टीचर, अलमारी, अध्यापिका, शूज, कमरा, खिड़की,
पंखा, इन्स्पेक्टर, डक्टर, कम्प्यूटर, कंघी, रजिस्टर, कॉपी, ड्राइंग, कॉलेज,
स्कूल, यूनिवर्सिटी, किवाड़, गेट, मेन गेट, कैची, गेट कीपर, पियन, क्लर्क,
मैदान, गेंद, फुटबाल, घण्टा, चपरासी, चॉक, चांसलर, झाड़ू, टाइमटेबल, दरी, निब
प्रिंसिपल, फाउण्टेन पेन, दरी, फीस, फाइल, यूनिफॉर्म, दीवार घड़ी, एसी, सहपाठी।

(ख) संस्कृत में पक्षियों के नाम।

कोयल, कौ विद्यालय संबन्धी वस्तुओं के नाम।

आ, चील, बगुला, मोर, मुर्गी, तोता, पतंगा, राजहंस, चमगादड़

गौरैया, कबूतर, उल्लू, बटेर, हंस, गरुण, चकवा, मैना, बतख, पक्षी।

-1451-

Alish
Shruti

Chairperson
Date

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit

7

CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Unit -IV

- 4.(क) संस्कृत में पाश्चात्य खाद्यान्नों के नाम। 7अंक
चिप्स, चाकलेट, स्नैक्स, पिज्जा, बर्गर, सैंडविच, फ्रूटजैम, आइसक्रीम,
केक, बिस्किट, कोल्डड्रिंक, च्यूइंगम, कोल्डकॉफी, कॉफी पाउडर, सोडापानी।

(ख) कण्ठस्थ किन्हीं दो श्लोकों का शुद्ध लेखन।

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. भारतीय संस्कृति का वृहत्-इतिहास (भाग -1) लेखक -डॉ० एस. एल. नागोरी।
2. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका-चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली 2003।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएं। प्रश्न पत्र के लिए कुल 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक यूनिट से प्रश्न सात (7) अंकों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय डेढ़ (1.5) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघूत्तर वाले विकल्परहित सात (7) प्रश्न पूछे जाएं। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न एक अंक (1) का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाएगा। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाए तथा प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।

8

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit
CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Semester- 1

Course Nomenclature: वेद, यज्ञ प्रक्रिया एवं गीता
Course Code : **B-SKT—MDC1-104**

Total Credits : 3
L-T-P
2-1-0

External Theory Marks:50
Internal Theory Marks:25
Time Allowed: 2 Hours

Course Outcomes: इस घटक से छात्रों को प्राचीन भारतीय ज्ञान, वैदिक संस्कृत भाषा एवं तत्कालीन सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान होगा। वे यज्ञों के विविध स्वरूप एवं महत्व से अवगत होंगे। छात्रों को प्रकृति एवं पर्यावरण का महत्व समझने में भी सहायता होगी। श्रीमद्भगवद् गीता के 'सांख्ययोग' नामक द्वितीय अध्याय को पढ़कर छात्र जीवन के वास्तविक रहस्य एवं नैतिक मूल्यों को समझते हुए निष्काम कर्म करने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

Unit –I

1. वेदों का सामान्य परिचय।
वर्णविधय/विशेषताएँ/महत्व आदि। 10अंक

Unit –II

2. यज्ञ की व्युत्पत्ति, अर्थ एवं परिभाषा। यज्ञ के लाभ, यज्ञकुण्ड,
यज्ञशाला, यज्ञपात्र एवं यज्ञ की उपयोगिता। 10अंक

Unit –III

3. यज्ञ सामग्री के वैज्ञानिक गुण तथा पर्यावरण पर प्रभाव। 10अंक

Unit –IV

4. श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का 1-38 श्लोक।
कण्ठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन। 10अंक

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. वैदिक साहित्य का इतिहास—वाचस्पति गैरोला।
2. वैदिक साहित्य का इतिहास—डॉ० बलदेव उपाध्याय।
3. यज्ञ विमर्श—एक वैज्ञानिक अध्ययन, डॉ० रामप्रकाश।
4. श्रीमद्भगवद्गीता—गीताप्रेस गोरखपुर।
5. गीताप्रवचन—दिनोबा भावे, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी 2008।

Rish
Shiv
- 11/453 -

[Signature]
Chairperson
Date

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएं। प्रश्न पत्र के लिए कुल 50 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अंको का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय दो (2) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार(4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न 2.5 अंको का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाएगा। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्न-पत्र की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]
1454 ~

[Handwritten Signature]
Chairperson
Date

10

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit
CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Semester- 2

Course Nomenclature: श्रीमद्भगवद्गीता, प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत व्याकरण।

Course Code : B-SKT -DSC-201

Total Credits : 4

L-T-P

3-1-0

External Theory Marks:70

Internal Theory Marks:30

Time Allowed: 3 Hours

Course Outcomes:

श्रीमद्भगवद्गीता तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति में निहित ज्ञानवर्धक तथ्यों के माध्यम से छात्र अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करेंगे। शब्द रूपों का यथार्थ तात्पर्य/उपयोगिता एवं ध्येय वाक्यों के प्रयोग का औचित्य सीखेंगे।

Unit -I

- 1.श्रीमद्भगवद् गीता, द्वितीय अध्याय (1-50 श्लोक) 14अंक
(क) दो श्लोकों का सरलार्थ। (8 अंक)
(ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न। (6अंक)

Unit -II

- 2.शिवसंकल्प सूक्त (शुक्ल यजुर्वेद,अध्याय 34/1-6)।
(क) एक मंत्र की व्याख्या- (4 अंक) 14अंक
संरांश/ महत्व/ विशेषता (5 अंक)

(ख) अधोलिखित ध्येय वाक्य :-

- 1.धर्मचक्रप्रवर्तनाय। 2.अस्माकं वीरा उत्तरे भवन्तु। 3.सत्यमेव जयते। 4. विज्ञानं ब्रह्म।
5.यतो धर्मस्ततो जयः। 6.बहुजनहिताय बहुजनसुखाय। 7.योगक्षेमं वहाम्यहम्। 8.अहर्निशंसेवामहे।
9.योगःकर्मसु कौशलम्। 10.ज्ञानं विज्ञानं विमुक्तये। 11.जाननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।
12.कृण्वन्तो विश्वमार्यम्। 13.योगस्थः कुरु कर्माणि।14.सत्यं शिवम् सुन्दरम्।
15.सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।16.श्रम एव जयते। 17.मिन्नेष्वेकस्य दर्शनम्।
18.सेवा अस्माकं धर्मः।19.नभः स्पृशं दीप्तम्। 20.शं नो वरुणः।21.विद्ययाऽमृतमश्नुते।22.तत् त्वं पूषन्नपावृणु।
23.तेजस्विनावधीतमस्तु। 24.असतो मा सद् गमय।25.निष्ठा धृतिः सत्यम्।25.धर्मो रक्षति रक्षितः।

Unit -III

- 3.(क) प्राचीन भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ:- 14अंक
चार आश्रम/चार पुरुषार्थ/चार वर्णों/ त्रिविध कर्म (प्रायश्चित्त,क्रियमाण) के सिद्धान्त का संक्षिप्त परिचय (8 अंक)
(ख) श्रीमद्भगवद् गीता के दो श्लोकों का शुद्ध लेखन। (6अंक)

Unit -IV

- 4.संस्कृत व्याकरणः 14अंक
(क) शब्द रूप- अस्मद्,युष्मद्,यत् (तीनों लिंगों में)। (7अंक)
(ख) संस्कृत से हिंदी में अनुवाद। (7अंक)

w.e.f. Academic Session 2024-25

1455

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]
Chairperson
Date

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit

11

CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. श्रीमद्भगवद्गीता— गीताप्रेस गोरखपुर
2. रचनानुवादकौमुदी— कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
3. वैदिक प्रेरण फॉर नॉलेज एंड पीस— प्रो० बी. बी. चौबे।
4. श्रीमद् भगवद्गीता—मधुसूदन शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
5. गीताप्रवचन—यिनोबा भावे, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी 2008।
6. भारतीय संस्कृति का वृहत् इतिहास (भाग -1)—डॉ० एस. एल. नागोरी।

प्रश्नपत्र—निर्माण के लिये निर्देश—

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएंगे। प्रश्न पत्र के लिए कुल 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न(14/चौदह) अंको का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाये जाएंगे। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघूत्तर वाले विकल्परहित चार(4) प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न 3.5 अंको का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाए तथा प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।

Handwritten signature

Handwritten signature
1456

Handwritten signature

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan

12

Department of Sanskrit

CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Semester- 2

Course Nomenclature: महाकाव्यं मुक्तककाव्यम् च।

Course Code : B-SKT –DSC- 202

Total Credits : 4

L-T-P

3-1-0

External Theory Marks:70

Internal Theory Marks:30

Time Allowed: 3 Hours

Course Outcomes: इस घटक में छात्र महाकाव्य एवं मुक्तक काव्य की परम्परा से अवगत होंगे। संस्कृत साहित्य जगत् में भारवि एवं भर्तृहरि के योगदानों को समझेंगे तथा नीतिकाव्यों के श्रवण,लेखन एवं वाचन में प्रवीणता हासिल करेंगे।

Unit-I

1. किरातार्जुनीयम्, प्रथमः सर्गः 14अंक
(क) द्वयोःश्लोकयोः व्याख्या (10 अंक)
(ख) सूक्ति-व्याख्या। (4अंक)

Unit –II

2. किरातार्जुनीयसम्बद्धं कविं किरातार्जुनीयं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मक प्रश्नः। 14अंक

Unit –III

3. नीतिशतकम्। (1- 50) 14अंक
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या (10 अंक)
(ख) सूक्ति-व्याख्या। (4अंक)

Unit –IV

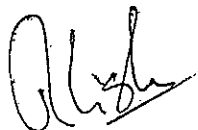
4. नीतिशतकसम्बद्धं कविं नीतिशतकं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मक प्रश्नः। 14अंक

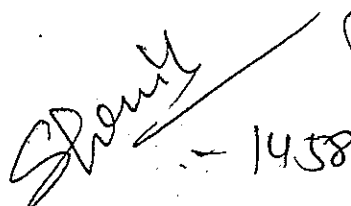
Recommended Books/e-resources/LMS:

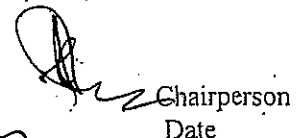
1. संस्कृत साहित्य का इतिहास—बलदेव उपाध्याय,चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
2. किरातार्जुनीयम्—भारवि विरचितम् (व्याख्याकार—डॉ० शैली अग्रवाल,आगरा, २०१०)।
3. नीतिशतकम्—भर्तृहरि विरचितम्— डॉ० राजेश्वर प्रसाद मिश्र, प्रयागराज—2।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएंगे। प्रश्न पत्र के लिए कुल 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न (14/चौदह) अंको का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाये जाएंगे। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार(4) प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न 3.5 अंको का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाए तथा प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।





 Chairperson
Date

Semester- 2

Course Nomenclature: व्यावहारिक-संस्कृतम्

Course Code : B-SKT—MIC2-203

Total Credits : 4

L-T-P

3-1-0

External Theory Marks:70

Internal Theory Marks:30

Time Allowed: 3Hours

Course Outcomes: छात्रों को पशु-पक्षियों पर आधारित छोटी छोटी कथाओं से जीवन के मर्म का ज्ञान होगा एवं कर्म करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। गिनती तथा पशु-पक्षियों, सगे-संबन्धियों आदि के नाम (संस्कृत में) जानने से छात्रों का शब्द भण्डार बढ़ेगा। ईश्वर-स्तुति/प्रार्थनोपासना मन्त्रों/श्लोकों के लेखन एवं पठन से भारतीय जीवन पद्धति एवं मूल्यों में उनका विश्वास दृढ़ होगा।

Unit -I

1. संस्कृत चयनिका (पद्यभाग-पाठ 5से 8) 14अंक
व्याख्या/सारांश/वर्ण्य विषय पर आधारित प्रश्न।

Unit -II

2. संस्कृत चयनिका (गद्यभाग-पाठ 6सेतक9) 14अंक
व्याख्या/सारांश/वर्ण्य विषय पर आधारित प्रश्न।

Unit -III

3. संस्कृत व्याकरण: 14अंक
(क) संस्कृत में पशुओं एवं संबन्धियों के नाम।

पशुओं के नाम:- बकरा, बकरी, बैल, भेड़, हाथी, शेर, कुतिया, ऊँट, गाय, भैंस, चीता, भालू, खरगोश, घोड़ा, गधा, बन्दर, भेड़िया, भैंसा, मकड़ी, लोमड़ी, कुत्ता, गीदड़, गोह, गैंडा, चूहा, छिपकली, तेंदुआ, नेवला, बाघ, बिच्छू, बिल्ला, बिल्ली, सुअर, हिरन।

सम्बन्धियों के नाम:- पिता, माता, दादा, दादी, पति, पत्नी, नाना, नानी, चाचा, चाची, लड़का, लड़की, पोता, पोती, भाई, बड़ाभाई, छोटाभाई, भानजा, भाभी, भतीजा, मित्र, सखी, नौकर, सास, नौकरानी, दामाद, मामी, मामा, ससुर, साला, मालिक, जीजा, दुश्मन, ननद, नाती, परदादा, परदादी, समधी, समधिन, फूआ, फूफा, सगाभाई, चचेराभाई, मौसा, बहन मौसी।

(ख) 1-100 तक गिनती संस्कृत में।

Unit -IV

4. (क) कण्ठस्थ तीन श्लोकों/मंत्रों का शुद्ध लेखन। 14अंक
(ख) शान्तिमंत्र, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय (अनुवाद/व्याख्या)।
(ग) संस्कृत के चार सरल वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद।

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit

15

CURRICULUM OF BACHELAR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. संस्कृत चयनिका—परमानन्द शास्त्री
2. संस्कृत चयनिका प्रबोधिका—देवी चन्द्र शर्मा / डॉ० दिनेश कुमार सिंहल
3. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका—चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली 2003।
4. वैदिक प्रेयर फॉर नॉलेज, पीस एंड कोएक्जिस्टेंस — प्रो० बी. बी. चौबे।
5. नीति शतक (भतृहरि) — प्रो० राजेश्वर प्रसाद मिश्र, बलरामपुर हाउस, प्रयागराज-2।

प्रश्नपत्र—निर्माण के लिये निर्देशः—

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएं। प्रश्न पत्र के लिए कुल 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक यूनिट से प्रश्न चौदह (14) अंको का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाये जाएंगे। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघूत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढ़े तीन (3.5) अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाए तथा प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।

Semester- 2

Course Nomenclature: संस्कृत भाषा एवं भारतीय संस्कृति बोध-2

Course Code : B-SKT-AEC2 -203

Total Credits : 2

L-T-P

2-0-0

External Theory Marks:35

Internal Theory Marks:15

Time Allowed: 1.5Hours

Course Outcomes: छात्रों को भारतीय ज्ञान-परम्परा,सभ्यता एवं संस्कृति का बोध होगा तथा विविध खाद्य पदार्थों/विविध प्रकार के रंगों के लिए प्रयुक्त होने वाले संस्कृत शब्दों का पता चलने से छात्रों का शब्द भण्डार बढ़ेगा। ईश्वर-स्तुति / प्रार्थना/पासना मन्त्रों/श्लोकों के लेखन एवं पठन से भारतीय जीवन पद्धति एवं मूल्यों में उनका विश्वास दृढ़ होगा।

Unit-I

1. भारतीय संस्कृति का वृहत् इतिहास (भाग -1) लेखक -डॉ० एस. एल. नागोरी 7अंक
(पाठ-3, पंच यज्ञ एवं संस्कार)
सारांश/वर्ण्य विषय पर आधारित प्रश्न।

Unit-II

2. भारतीय संस्कृति का वृहत् इतिहास (भाग -1) लेखक -डॉ० एस. एल. नागोरी 7अंक
(पाठ-4, प्राचीन भारत में नारी की स्थिति)
सारांश/वर्ण्य विषय पर आधारित प्रश्न।

Unit-III

- 3.(क) संस्कृत में भारतीय खाद्यान्नों/पकवानों के नाम। 7अंक
धान, आटा, चावल, मूँग, उड़द, गेहूँ, पूड़ी, रायता, इडली, सांभर,
अचार, अण्डा, अमचूर, आटा, आलूटिककी, कटी, काफी, केक, खिचड़ी, पापड़,
हलवा, फ्रूट जैम, खीर, गुड़, चटनी, चाय, चीनी, डबलरोटी, दहीबड़ा, दूध, दाल, नमक,
तेल, पकवान, पनीर, पराठा, भात, मक्खन, मठरी, मुरब्बा, राजमा, लस्सी, समोसा
सैंडविच, सेवई, सुबह का नाश्ता, मूँगफली, ग्रीन टी, प्याज, प्याज डोसा, रसम।

(ख) संस्कृत में रंगों के नाम।

लाल, हरा, नीला, पीला, नारंगी, काला, सफेद, बैंगनी, नारंगी, गुलाबी
भूरा, आसमानी, गहरा लाल, गेहूँ जैसा रंग, सुनहरा, चोदी, केसरिया
मिट्टी जैसा रंग, ग्रे, गहरा नीला, खाकी रंग, तौबा, मैजेन्टा।

Vishu

Pravir

(Signature)

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit
CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

17

Unit-IV

4. (क) कण्ठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन। 7 अंक
(ख) शान्तिमंत्र, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र लेखन एवं अनुवाद।

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. भारतीय संस्कृति का वृहत् इतिहास (भाग --1) लेखक -डॉ० एस. एल. नागोरी
2. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका-चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली 2003।
3. वैदिक प्रेयर फॉर नॉलेज, पीस एंड कोएक्जिस्टेंस - प्रो० बी. बी. चौबे।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएं। प्रश्न पत्र के लिए कुल 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक यूनिट से प्रश्न सात (7) अंकों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय डेढ़ (1.5) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाये जाएँगे। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघूत्तर वाले विकल्परहित सात(7) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न एक (1) अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाए तथा प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।

Alsh

Shweta

1462

Chairperson
Date

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan
Department of Sanskrit

18

CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Semester- 2

Course Nomenclature: योग एवं भारतीय संस्कृति

Course Code : B-SKT—MDC2-204

Total Credits : 3

L-T-P

2-1-0

External Theory Marks:50

Internal Theory Marks:25

Time Allowed: 2 Hours

Course Outcomes: इस घटक से छात्रों को प्राचीन भारतीय परम्परा एवं वर्तमान जीवन में अष्टांग योग का महत्त्व ज्ञात होगा। विभिन्न आसनों के माध्यम से छात्रों को शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रेरणा मिलेगी। विविध भाषाओं की प्रकृति एवं लत्कालीन संस्कृति का भी बोध होने के साथ-साथ ईश्वर स्तुति/ प्रार्थनापासना परक मन्त्रों का ज्ञान होने पर उन्हें जीवन के वास्तविक सुख एवं आनन्द की प्राप्ति होगी।

Unit -I

1. अष्टांग योग का परिचय। (पातंजलयोगदर्शनम्)

10अंक

- यमनियमासनप्राणायामप्रत्याहारधारणाध्यानसमाधयोऽष्टावंगानि।
- अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहाः यमाः।
- शौचसन्तोषतपः स्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि नियमाः।
- स्थिरसुखमासनम्।
- श्वासप्रश्वासयोगतिविच्छेदः प्राणायामः।
- स्वविषयासंप्रयोगे चित्तस्वरूपानुकार इवेन्द्रियाणां प्रत्याहारः।
- देशबन्धचित्तस्य धारणा।
- तत्र प्रत्ययैकतानता ध्यानम्।
- तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव समाधिः।

Unit -II

2. आसन एवं प्राणायाम।

10अंक

- पद्मासन, वज्रासन, ताड़ासन, धनुरासन, गोमुखसन, सर्वांगासन, शवासन।
- प्राणायाम—
कुम्भक, रेचक, पूरक।

Unit -III

3. प्राचीन भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ—

10अंक

चार आश्रम/चार पुरुषार्थ/चार वर्ण/त्रिविध कर्म(प्रारब्ध,संचित,क्रियमाण)के सिद्धान्त का संक्षिप्त परिचय।

Alisha

1463

Shweta

[Signature]
Chairperson
Date

CURRICULUM OF BACHELOR OF ARTS (Hons.) IN SANSKRIT

Unit -IV

4.(क)संस्कृत मन्त्र एवं श्लोक :-

10अंक

- गायत्री मंत्र
- महामृत्युंजय मंत्र
- शान्ति मंत्र (ॐ द्यौः शान्तिः...)
- संगच्छध्वम्.....
- अयं निजः परोवेति
- सर्वे भवन्तु सुखिनः
- कर्मण्येवा.....
- योगस्थः कुरु कर्मणि
- ध्यायतो विषयान्...
- क्रोधाद्भवति संमोहः.....
- ॐ सहनाववतु सह नौ....
- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते...

(ख)उपर्युक्त में से कण्ठस्थ दो श्लोकों / मंत्रों का शुद्ध लेखन
एक श्लोक/मंत्र का सरलार्थ।

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. पातंजलयोगदर्शनम् – डॉ० देवी सहाय पाण्डेय।
2. योगासन एवं योगसाधना-डॉ० सत्यपाल, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता – दामोदर धर्मानन्द कोसम्बी।
4. भारतीय संस्कृति की रूपरेखा-पृथ्वी कुमार अग्रवाल।
5. वैदिक प्रेरण फॉर नॉलेज, पीस एंड कोएक्जिस्टेंस – प्रो० बी. बी. चौबे।
6. भारतीय संस्कृति का वृहत् इतिहास (भाग -1)-डॉ० एस. एल. नागोरी।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्न पत्र में कुल (5) प्रश्न दिए जाएं। प्रश्न पत्र के लिए कुल 50 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंक के होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न दस (10) अंको का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय दो (2) घंटे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघूत्तर वाले विकल्परहित चार(4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न 2.5 अंको का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाएगा। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से 50 प्रतिशत विकल्प के साथ ही परीक्षार्थी से प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक घटक से प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।
4. परीक्षार्थी को प्रश्नोत्तर की भाषा के चयन हेतु हिन्दी/संस्कृत का विकल्प दिया जाएगा।

